पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ०प्र०
(राज्यपाल सूचना परिसर)
———————

राज्यपाल ने डॉ0 भीमराव आम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के नैक हेतु एस.एस.आर. प्रस्तुतिकरण की समीक्षा बैठक की

———————

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित "बापू बाजार" सामाजिक सेवा के लिए एक महत्वपूर्ण पहल

———————

स्लो–लर्नर विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता

———————

विद्यार्थियों का फीडबैक और उनकी समस्या का समाधान जरूरी

———————

नैक में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु आपसी सामंजस्य तथा साझेदारी बढ़ायें –राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

———————

लखनऊः 27 जून, 2024

प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज यहाँ राजभवन के प्रज्ञाकक्ष में डॉ० भीमराव आम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के नैक हेतु तैयार सेल्फ स्टडी रिपोर्ट की समीक्षा बैठक की।

राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय के नैक मूल्यांकन हेतु एस.एस.आर. की समीक्षा करते हुए प्रथम वर्ष में ही स्लो लर्नर विद्यार्थियों को चिन्हित कर उनकी शिक्षा के लिए विशेष प्रयास करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्लो लर्नर विद्यार्थियों हेतु उचित अवसर एवं मार्गदर्शन दिये जाने के निर्देश दिये।

राज्यपाल जी ने समीक्षा बैठक में कहा कि विद्यार्थियों से निरंतर फीडबैक लेते हुए उनकी समस्या समाधान हेतु प्रयास किया जाना चाहिए तथा समस्या समाधान हेतु विद्यार्थियों से व्यक्तिगत संवाद तथा अध्यापकों का आपसी विचार विमर्श आवश्यक है।

राज्यपाल जी की प्रेरणा से विश्वविद्यालय द्वारा संचालित बापू बाजार की सराहना करते हुए राज्यपाल जी ने बापू बाजार में बेची जाने वाली वस्तुओं की गुणवत्ता पर कार्य करने हेतु निर्देश देते हुए इस कार्य में अधिक से अधिक विद्यार्थियों को जोड़ने को कहा। उन्होंने इसे सामाजिक सेवा के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि इसके माध्यम से विश्वविद्यालय ने छात्रों को समाज के उत्थान में सक्रिय भागीदार बनाया है। ज्ञातव्य है कि विश्वविद्यालय के छात्र विभिन्न वस्तुओं को इकट्ठा कर उसे न्यूनतम धनराशि पर गरीब व जरूरतमंदों को बापू बाजार के माध्यम से बेचते है। उन्होंने इसे सामाजिक उत्थान और सामाजिक जागरूकता में वृद्धि हेतु सकारात्मक पहल बताया और कहा कि इससे छात्रों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास होता है।

राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कम्यूनिटी रेडियो आगरा की आवाज की सराहना सराहना करते हुए इसके माध्यम से अद्यतन एवं समसामयिक मुद्दों पर चर्चा कराने को कहा। राज्यपाल जी ने रेडियो के माध्यम से बारिश के मौसम में होने वाली बीमारियों, उनके लक्षण एवं निदान के उपायों के बारे में नागरिकों को सही जानकारी उपलब्ध कराये जाने के साथ–साथ पर्यावरण सुरक्षा और संवर्धन, पौष्टिक आहार का महत्व तथा स्वच्छता के महत्व जैसे विषयों पर समाज में जागरूकता बढ़ाये जाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के

विद्यार्थियों द्वारा विकसित किये गये सारथी द ट्यूशन फाइंडर ऐप की सराहना करते हुए इस प्रकार के नवाचारों को प्रोत्साहित किये जाने के निर्देश दिये।

राज्यपाल जी ने नैक में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु विश्वविद्यालयों के आपसी समन्वय को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा विद्यार्थियों को भी नैक की उपयोगिता बताकर नैक तैयारी में प्रतिभागी बनाएं। ज्ञातव्य है कि राज्यपाल जी द्वारा विश्वविद्यालय नैक में उच्चतम ग्रेड के लिए तैयारी हेतु निरन्तर दिशा–निर्देश प्रदान किया जाता रहा है।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्री राज्यपाल डॉ. सुधीर महादेव बोबडे, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा डॉ. पंकज एल. जानी, विश्वविद्यालय की नैक टीम के सभी सदस्य तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

———